UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

अमर उजाला

मंगलवार • 20.10.2020
www.amarujala.com

वेबिनार में सतत ग्रामीण विकास पर की गई चर्चा

रुड़की। आईआईटी रुड़की के तत्वावधान में 'पार्टिसिपेटरी एंड सस्टेनेबल रुरल डेवलपमेंट-एक्सपेरिमेंट इन झाबुआ मध्य प्रदेश' विषय पर आयोजित वेबिनार में सतत ग्रामीण विकास में भगीदारी पर चर्चा की गई।

सोमवार को आयोजित वेबिनार में पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने मध्य प्रदेश के आदिवासी जिला झाबुआ में एक लाख ग्यारह हजार जल संरचनाओं का निर्माण कर 700 से भी अधिक गांवों की तस्वीर बदली है। इसके चलते उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बताया कि वर्ष 1998 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले को अपनी कर्मस्थली बनाया तो लगभग पांच वर्षों तक उन्हें ग्रामीणों की समस्याओं को समझने और विश्वास हासिल करने में लग गए। इसके बाद ग्रामीणों के जन सहयोग की बदौलत उनके नेतृत्व में हलमा अभियान द्वारा जल, जंगल एवं जमीन के लिए शुरू किए गए अभियान में झाबुआ की बंजर भूमि के सैकड़ों गांवों को हरा-भरा कर दिया। वर्ष 2007 में आदिवासी ग्रामीणों के सहयोग से शिवगंगा नाम का एक संगठन बनाकर ग्रामीणों को संगठित किया। इस दौरान आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय, उप निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा आदि मौजूद रहे। **संवाद**